# बिहार में उर्दू प्रेसः एक ऐतिहासिक अवलोकन

**महमूद आलम**

बिहार में अंग्रेजी तथा इससे अलग भाषाई पत्रकारिता में पहली पहली शुरूआती ऊर्दू अखबार 'नूर–अल–अनवार' से होती है जिसे जुलाई 1853 में आरा से सैयद मोहम्मद हासिम बिलगरामी ने प्रकाशित किया। ये सैय्द खुर्शीद अहमद की निगरानी में निकलता था। इसे बिहार का पहला उर्दू अखबार माना जाता है। इस नाम से दो और अखबार जारी हुए थे। इनमें से एक आगरा से सन् 1861 ई. में और दूसरा कानपुर से सन् 1871 ई. में जारी हुआ था।

1857 के विद्रोह में बिहार से संबंधित खबरों के प्रकाशन की बात की जाये तो दिल्ली से निकलने वाले तीन उर्दू के अखबारों को भी शामिल किया जा सकता है। ये हैं–देहली उर्दू अखबार, सादिक–उल–अखबार, और कश्फ–उल– अखबार। इन तीनों अखबारों में दानापुर और पटना की घटनाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण खबरें प्रकाशित हुईं। कठिन नियमों और पाबंदियों के बावजूद 1857 के बगावत के बाद बिहार के साथ ही पूरे मुल्क से बड़े पैमाने पर उर्दू समाचार पत्र छपने लगे और वतन के आजादी के विशेष स्वार्थ और मिशन को लेकर आगे बढ़े।